श्रीकृष्ण को प्रकट करने का एक अति सरल मार्ग है बच्चे के भाँती रो कर पुकारना। एक दूध पिते बच्चे के रोने पर जैसे उसकी दौड के आती है वैसे ही जीव जब अपनी सब चातुरी छोडकर भोले बालक की तरह रोता है तो उसकी असली माँ भगवान दौड के गले लगाती है।

छोटा बच्चा कितना भोला होता है! यदि माँ बच्चे को बताती है कि पडोसन आवे तो बताना कि माँ घर में नही है तो पडोसिन आने पर बच्चा कहता है - माँ तो घर में है लेकिन माँ ने कहा है कि पडोसन आवे तो बताना कि माँ घर में नही है। तब पडोसन के जाने पर माँ बच्चे को एक झापड़ लगाती है और पहला झूठ का पाठ पढ़ाती है कि इतना ही बोलना होता है कि माँ घर में नही है।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

तब से लेकर बड़े होने तक हम जितनी चारसोबीसी, दिखावा, तिकडम सीखी है वो संसार में चल सकती है  लेकिन भगवान के सामने नही। भगवान कहते है - मोहि कपट छल छिद्र न भावा। संसार में चालाकी से काम लेना पडता है लेकिन भगवान को तो सरल निष्कपट हृदय ही पसंद है।

जब अवतार लेने के लिए ब्रम्हादिकों ने भगवान को बुलाना चाहा तो इस बात पर विचार किया गया कि क्या करने से भगवान प्रकट होंगे? तब सर्वानुमते यही तय हुआ था कि रोकर संकिर्तन करना ही सबसे सरल मार्ग है और वैसा किया। तब भगवान ने प्रकट होकर कृष्णावतार का वरदान दिया था। भगवान का एक विक पॉईंट है - अपने प्रेमी के निष्काम आँसू जिससे भगवान दौडकर आते है।

तो गोपियों ने वही किया था। श्रीकृष्ण को बुलाने के लिए करूण क्रंदन कर के भगवान को पुकारा था। इसे गोपी गीत कहते है। अभी तक आपको जो बताया गया वही गोपियों ने ताल सुर के

साथ रोकर अत्यंत करूण स्वर से गाया था।

तो श्रीकृष्ण से रहा नही गया। उनका हृदय दया से भर गया और श्रीकृष्ण फिर से प्रकट हुए, अपने सामान्य रूप में नहीं बल्कि भगवान विष्णु के रूप में। सभी ऐश्वर्य के साथ चार हाथों में शंख, चक्र, गदा, पद्म लिए। गोपियां जो अस्तव्यस्त कपड़ों में थी, उन्होंने कपडे तुरंत ठीक करने की कोशिश की और भगवान से पूछा, 'आप कौन हैं और आप हम सभी महिलाओं के बीच में क्यूं आये हैं?'

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

भगवान ने कहा, 'तुम मुझे दुःखी हो कर पुकार रही थी, तो मैं यहाँ हूँ! मैं भगवान विष्णु हूं।' गोपियों में से कोई भी उनके पास नहीं गयी। गोपियों में से एक ने कहा, 'यह व्यक्ति भगवान है या नही अभी पता चल जायेगा।'

उन्होंने कहा, 'यदि आप सही में भगवान हैं, तो कृपया हमें हमारे प्यारे श्रीकृष्ण वापस लौटा दीजिए जो हमें इस अवस्था में छोड़ गये है। हम सब उनसे प्यार करती हैं और उनके बिना नहीं रह सकती। '

श्रीकृष्ण को अपने प्यारे और सुंदर रूप में आना पडा। गोपियां आनन्दित हो गयी और रास फिर से शुरू हो गया।